University in News on 19 August 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अब केवल अंतिम सेमेस्टर में जुड़ेंगे इंटर्नशिप के अंक

लखनऊ विश्वविद्यालय में एलएलबी पाठ्यक्रम में नई व्यवस्था लागू

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में संचालित एलएलबी और एलएलबी ऑनर्स पाठ्यक्रम में अब इंटर्नशिप और मूट कोर्ट के नंबर सिर्फ अंतिम वर्ष में ही जुड़ेंगे। अभी तक हर साल इसका एक पेपर होता था। इसके लिए सौ अंक निर्धारित थे। अब इंटर्नशिप का मूल्यांकन सिर्फ अंतिम वर्ष के अंतिम सेमेस्टर में होगा। हालांकि विद्यार्थी को तीनों साल इंटर्नशिप करनी होगी।

लविवि ने नई शिक्षा नीति के हिसाब से प्रैक्टिकल को ज्यादा अहमियत देने के लिए हर साल इंटर्नशिप करनी होती है। इसे एक पेपर के रूप में शामिल किया गया था। इसका मतलब था कि पेपर की तरह ही उसके नंबर जुड़ते थे।

इस साल नई व्यवस्था के तहत स्टूडेंट को हर साल की इंटर्नशिप की डायरी तैयार करनी होगी। इसमें उसे दिखाना होगा कि सभी साल की इंटर्नशिप से उसने क्या सीखा। इसके आधार पर उसे अंतिम वर्ष में नंबर दिए जाएंगे। कार्य परिषद से इस प्रावधान को बीते सप्ताह पास कर दिया गया है।

आंतरिक मूल्यांकन में फेल विद्यार्थियों को मिलेगा दूसरा मौका

- लखनऊ विवि के एलएलबी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को आंतरिक मूल्यांकन में फेल होने पर दूसरा मौका भी मिलेगा। इसमें उनको मिलने वाले उपस्थिति के अंक यथावत रहेंगे। अभी तक फेल होने वाले विद्यार्थी के मामले में यह तय नहीं था कि उसका आंतरिक मूल्यांकन होगा या फिर नहीं। कई बार उनको आंतरिक मूल्यांकन के पूरे नंबर पुराने ही दिए जाते थे। अब नई व्यवस्था में विद्यार्थी के उपस्थिति वाले नंबर पहले की तरह ही रहेंगे। बाकी मूल्यांकन नए सिरे से होगा।
- **एलएलएम में शामिल होंगे मूल्य आधारित पेपर :** एलएलबी के साथ ही अब एलएलएम पाठ्यक्रम में भी बदलाव किया गया है। नई शिक्षा नीति के तहत अब एलएलएम में भी मूल्य आधारित पेपर शामिल किए जाएंगे। अभी तक एलएलएम को इससे अछूता रखा गया था।

एलएलबी समेत चार कोर्सों में दाखिले की पहली सूची जारी

लखनऊ। लविवि ने एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए पहली आवंटन सूची रविवार को जारी कर दी। एलएलबी के साथ ही बीपीएड, एमपीएड और एमकॉम की भी पहली आवंटन सूची जारी की गई। अभ्यर्थी अपनी लॉगइन आईडी से रिजल्ट देख सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 21 अगस्त तक फीस जमा करने को कहा गया है। लविवि के डीन एडमिशन प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों की कटऑफ पहले ही वेबसाइट पर जारी की जा चुकी है। जिन अभ्यर्थियों को सीट मिली है, उनको अपनी लॉगइन आईडी का उपयोग कर ऑनलाइन फीस जमा करनी होगी। फीस जमा करने के लिए 18 अगस्त दोपहर तीन बजे से 21 अगस्त रात 12 बजे तक का समय है। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि में छात्रावास आवंटन प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। लखनऊ विवि में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके तहत बीकॉम, बीकॉम ऑनर्स, एलएलबी (इंटीग्रेटेड) बीसीए, बीवीए/बीएफए और बीए/ बीएससी (योगा) पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी हॉस्टल मैनेजमेंट सिस्टम (एचएमएस) पोर्टल पर 50 रुपये का पंजीकरण कराते हुए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। लविवि प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक, बीएससी एवं बीए (एनईपी) के विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल आवेदन जल्द ही आमंत्रित किए जाएंगे। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप सिंह ने बताया कि आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 अगस्त है। (माई सिटी रिपोर्टर)

पेड़-पौधों को बांधे रक्षासूत्र

लखनऊ। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर रविवार को लविवि के मुख्य परिसर में टैगोर लाइब्रेरी के निवेदिता एंडेवर्स फॉर सोशल ट्रांसफॉर्मेशन (नेस्ट) की ओर से पेड़-पौधों को रक्षासूत्र बांधे गए। इस मौके पर उत्कर्षा यादव, शांभवी शुक्ला, तपस्या बाजपेयी, अनन्या पाण्डेय, प्रज्ञा त्रिवेदी, हर्षिता, वत्सला मिश्रा, स्नेह वर्मा, प्रो. संजय मेधावी और डॉ. हरनाम सिंह उपस्थित रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

JAGRAN CITY PAGE III

पीजी के चार कोर्सों में सीट आवंटन जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक के चार पाठ्यक्रमों में पहला सीट आवंटन रविवार को जारी किया। इसमें बी.पी.एड, एम.पी.एड, एल.एल.बी तीन वर्षीय और एम.काम कामर्स शामिल है। सीट पाने वाले अभ्यर्थियों को 21 अगस्त रात 12 बजे तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है। कोर्सों की कटआफ वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। (जास)

चयन 22 तक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय अध्यक्ष ने बी.एससी प्रथम सेमेस्टर के नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को को-करिकुलर विषय के चयन के लिए 22 अगस्त तक समय दिया है। विद्यार्थियों के लिए गूगल फार्म https://forms.gle/pMbNg5m hsiW9N4hG9 का लिंक जारी किया है। इच्छुक विद्यार्थी 22 अगस्त तक फार्म भर सकते हैं। (जास)

आवंटन की प्रक्रिया शुरू

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए, छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया शुरू हुई। बी.काम, बी.काम आनर्स, एल.एल.बी (इंटीग्रेटेड) बी.सी.ए, बी.वी.ए, बी.एफ.ए, बी.ए, बी.एससी (योग) पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी हास्टल मैनेजमेंट सिस्टम (एचएमएस) पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 अगस्त 2024 है। आवेदन संबंधी किसी भी कठिनाई के संबंध में एचएमएस एप पर उपलब्ध हेल्प डेस्क में विद्यार्थी बात लिख सकते हैं। (जास)

AMRIT VICHAR PAGE 5

लविवि में छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया शुरू

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में नव प्रवेशित छात्र छात्राओं के लिए छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बी कॉम, बी कॉम ऑनर्स, एलएल बी (इंटीग्रेटेड) बीसीए, बीवीए/बीएफए एवं बीए/ बीएससी (योगा) पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी हॉस्टल मैनेजमेंट सिस्टम (एचएमएस) पोर्टल पर 50 रुपये का पंजीकरण कराते हुए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव बताया इसके अतिरिक्त बीएससी एवं बीए (एनईपी) पाठ्यक्रम के नव-प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल आवेदन प्रक्रिया भी जल्द शुरू कराई जाएगी।

TOI PAGE 3

Three city geologists serving with GSI bag nat'l geoscience award

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Three former Lucknow University students, presently serving as senior geologists with the Geological Survey of India (GSI), northern region, Lucknow, will be awarded the prestigious National Geoscience Award in different categories by President Droupadi Murmu, on Aug 20.

"My team and I have been awarded for the discovery and exploration of 19 million tonnes of copper and 1.7 million tonnes of gold ore resources in Raichur district, Karnataka. The work was carried out from 2015 to 2021. Total four national research papers were published for the work, and the deposit is classified as an iron oxide copper gold type, which is the first of its kind in southern India," said Abhishek, who did his MSc from LU in 2010.

Abhishek Shukla & Shailendra Kumar Prajapati

He said the estimated resource makes it the biggest discovery of base metal in southern India in the past three decades. "I dedicate this award to my family, especially my wife Shalini," he said.

Senior geologist, Shailendra Kumar Prajapati, said: "My team and I have won this award for the discovery of vanadium mineralisation for the first time in Arunachal Pradesh."

Superintending geologist Krishna Kumar, who also did his MSc from LU, has bagged this prestigious award.

PIONEER PAGE 3

केवल प्राचीनता की चर्चा करने से ही संस्कृत भाषा का उद्धार नहीं होगा: प्रो. अरविन्द मोहन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग की तरफ से संस्कृत सप्ताह के अवसर पर संस्कृत महोत्सव के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग के विभागाध्यक्षचर प्रो. रामसुमेर यादव थे। कलासंकाय के अधिष्ठाता तथा संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग के पदेनाध्यक्ष प्रो. अरविन्द मोहन ने संस्कृत की साम्प्रतिक उपादेयता को लेकर अध्यक्षीय उद्बोधन किया। उन्होंने आग्रह किया कि संस्कृत भाषा में आज अर्थशास्त्र विषयक कार्य क्यों नहीं हो रहा। केवल प्राचीनता की चर्चा मात्र करने से ही संस्कृत भाषा का उद्धार नहीं होगा। संस्कृत बोलने के लाभ हमें जनमानस तक पहुँचाने होंगे। संस्कृत जब तक व्यवहार में नहीं होगी तब तक कोई विश्वस्तरीय शोध कार्य सम्भव नहीं है। चूँकि भाषा सीखने की उम्र आरम्भिक होती है, लेकिन आज बहुत बड़ी अवस्था में जाकर संस्कृत भाषा या अंग्रेजी आदि अन्य भाषाओं को सीखने में युवाओं की बहुत बडी शक्ति लग रही है। नये उपायों को सोचने, आविष्कारों को करने की उम्र 20-25 की होती है। जो आजकल केवल डिग्री प्राप्त करने अथवा नयी भाषा सीखने में लग रही है। प्रो. राम सुमेर यादव ने संस्कृत को विशिष्ट चिन्तन की भाषा बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृतभाषा भाषा-विज्ञान का मूल है।

संस्कृत अध्यात्म की भाषा है। संस्कृत शान्ति की भाषा है। संस्कृत ज्ञान-विज्ञान का वह भण्डार है, जिसका लोहा समय-समय पर देश-विदेश के बड़े-बड़े दिग्गज विद्वानों ने माना है। संस्कृत में जो बोला जाता है, वही लिखा जाता है। संस्कृत में शोध को अब वस्तुतः व्यावहारिक समस्याओं के समाधान से जोड़ना होगा। संस्कृत भाषा को अन्य विषयों से जोड़ने की परम आवश्यकता है। समारोह में पधारे हुए अतिथिओं का वाचिक स्वागत संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के समन्वयक डॉ. अभिमन्यु सिंह ने किया। उद्घाटन समारोह का बीज वक्तव्य देते हुए डॉ. सत्यकेतु ने संस्कृतमहोत्सव के आयोजन के प्रयोजन एवं विषयों से अवगत कराया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ऋचा पाण्डेय ने किया । इस आयोजन में संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग के विद्यार्थियों श्रद्धा, कविता, सृष्टि तथा हर्षित ने भी अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. अशोक कुमार शतपथी ने किया। इस अवसर पर संस्कृत विभाग तथा ज्योतिर्विज्ञान विभाग के सहायक अध्यापक डॉ अनिल कुमार पोरवाल, डॉ विष्णुकान्त शुक्ल, डॉ अनुज कुमार शुक्ल, एवं संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग के सहायक आचार्य डॉ भुवनेश्वरी भारद्वाज, डॉ अशोक कुमार शतपथी, डॉ गौरव सिंह, डॉ ऋचा पाण्डेय अध्यापकों सहित अनेक अन्य अध्यापक एवं लगभग 100 से अधिक छात्र छात्राएं भी उपस्थित रहें।

एलयू में छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। लविवि में नव प्रवेशित छात्र छात्राओं के लिए छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। बी कॉम, बी कॉम ऑनर्स, एलएल बी (इंटीग्रेटेड) बीसीए, बीवीए/बीएफए एवं बीए/ बीएससी (योगा) पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी हॉस्टल मैनेजमेंट सिस्टम (एचएमएस) पोर्टल पर 50 रुपये का पंजीकरण कराते हुए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।